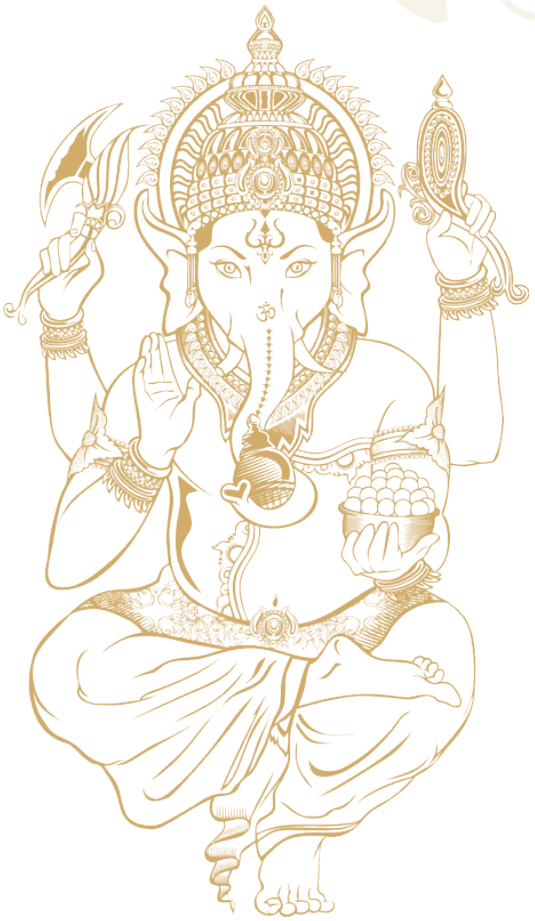

Parshant Saneha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120889404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/11/1995	जन्म तिथि	15/09/2002
रवि-सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 06:05:00	जन्म समय	14:00:00 घंटे
घटी 58:19:04	जन्म समय(घटी)	19:55:37 घटी
India	देश	India
Hardwar	स्थान	Panipat
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:22	सूर्योदय	06:06:40
17:19:32	सूर्यास्त	18:27:43
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:25

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 7मा 3दि		23:54:12	तुला	लग्न	धनु	10:14:33	शुक्र 13वर्ष 1मा 28दि	
गुरु		03:24:08	वृश्चि	सूर्य	सिंह	28:26:42	चन्द्र	
24/06/2018		27:55:07	कन्या	चंद्र	धनु	17:53:31	13/11/2021	
24/06/2034		28:15:19	वृश्चि	मंगल	सिंह	16:45:48	14/11/2031	
गुरु	11/08/2020	01:33:40	वृश्चि	बुध व	कन्या	19:20:19	चन्द्र	13/09/2022
शनि	22/02/2023	26:12:32	वृश्चि	गुरु	कर्क	15:26:23	मंगल	14/04/2023
बुध	30/05/2025	26:50:11	वृश्चि	शुक्र	तुला	11:33:55	राहु	13/10/2024
केतु	06/05/2026	24:11:49	कुंभ व	शनि	मिथु	04:34:14	गुरु	12/02/2026
शुक्र	04/01/2029	02:27:42	तुला	राहु व	वृष	18:42:27	शनि	14/09/2027
सूर्य	23/10/2029	02:27:42	मेष	केतु व	वृश्चि	18:42:27	बुध	12/02/2029
चन्द्र	22/02/2031	03:32:54	मक	हर्ष व	कुंभ	01:57:51	केतु	13/09/2029
मंगल	29/01/2032	29:32:50	धनु	नेप व	मक	14:37:52	शुक्र	15/05/2031
राहु	24/06/2034	06:33:47	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:07:09	सूर्य	14/11/2031

लग्न-चलित

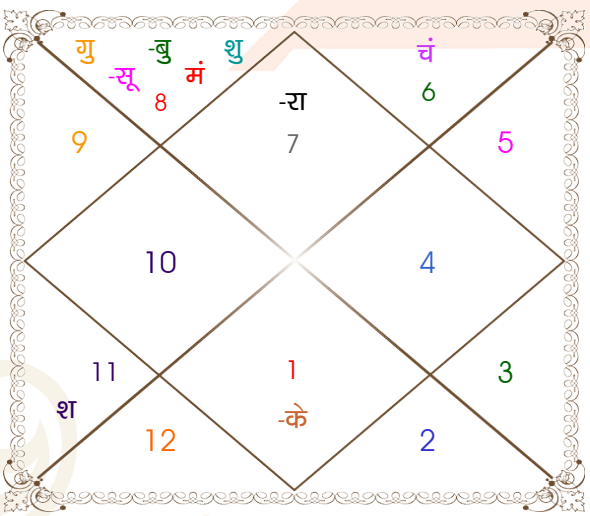

लग्न-चलित

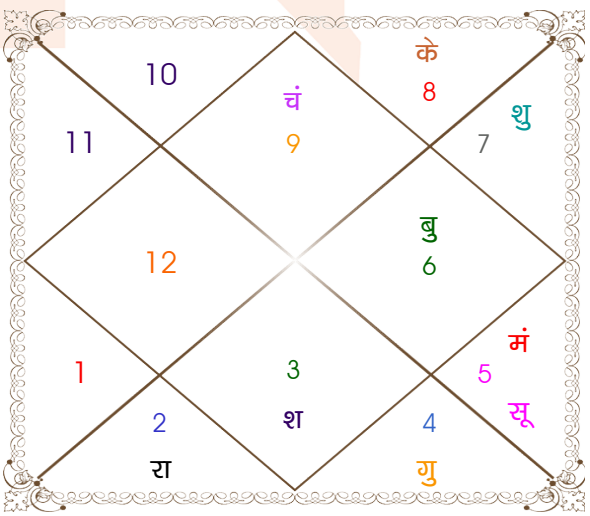

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

चंर्तीदज का वर्ग मूषक है तथा Saneha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार चंर्तीदज और Saneha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

चंर्तीदज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Saneha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

चंर्तीदज तथा Saneha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।